झलक एक अपनी दिखा मुरली वाले | By Kumari Gunjan

झलक एक अपनी दिखा मुरली वाले
सम्भलता नहीं दिल सँभालु मैं कैसे
बता दे तू ही कैसे इसको सम्भाले

कानो में तेरी बंसी की धुन जो पड़े
ऐसा लगता बजाते मिलोगे खड़े
मगर खाये धोखा ये नज़रें हमारी
दिखाई ना दो नज़रे जिधर हम डाले

माना छुलिया है तू ओ मेरे सांवरे
ढूंढते तुझको ये थक गए पाँव रे
है मंज़ूर सब कुछ तेरा श्याम प्यारे
सितम चाहे जितना मुझपे तू ढा ले

देखूं जी भर तुझे है तमन्ना मेरी
आँखें हो ये मेरी और सूरत तेरी
भरी आंसुओं से कुंदन की अँखियाँ
तू छुलका दे आके इन आंसुओ के प्याले
झलक एक अपनी .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9d%e0%a4%b2%e0%a4%95-%e0%a4%8f%e0%a4%95-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%96%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%80-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2/